सोने की कलम

Email - sonekikalam@gmail.com

आर.एन.आई. रजि. नं. 52089/91

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे , 9893157809

वर्ष - 33 अंक - 41 (साप्ताहिक) इन्दौर, 21 नवंबर से 27 नवंबर 2024 , गुरुवार मूल्य 1 रुपये पृष्ठ 4

के. संजय मूर्ति बने नए CAG

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। पूर्व उच्च शिक्षा सचिव के. संजय मूर्ति को बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में शपथ दिलाई. के. संजय मूर्ति को सोमवार को केंद्र सरकार ने नया सीएजी नियुक्त किया था. गिरीश चंद्र मुर्मू ने बुधवार को सीएजी के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर लिया।

राष्ट्रपति भवन कार्यालय ने एक बयान में कहा कि गणतंत्र मंडप, राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में के. संजय मूर्ति ने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रूप में शपथ ली. उन्होंने राष्ट्रपति के समक्ष पद की शपथ ली. शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

अडानी पर लगे रिश्वतखोरी के आरोप!

भाजपा ने सोरोस का नाम लेकर राहुल गांधी पर बोला हमला; टाइमिंग पर भी सवाल

नईदिल्ली।

अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उद्योगपति गौतम अडानी पर रिश्वतखोरी के आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस के हमलों पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि आरोपों में जिन राज्यों का जिक्र है उनमें उस समय विपक्षी दलों का शासन था। इसके अलावा, भाजपा ने एक बार फिर से अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस का भी जिक्र किया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर जॉर्ज सोरोस जैसी ही भाषा बोलने का आरोप लगाया और कांग्रेस नेता पर सोरोस की ओर से भारतीय उद्योग जगत पर हमला करने का आरोप लगाया।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने इस घटनाक्रम के समय पर भी सवाल उठाया क्योंकि यह संसद सत्र शुरू होने से कुछ ही दिन

पहले और डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने से पहले हुआ है। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। मालवीय ने कहा कि इससे अनेक सवाल पैदा होते हैं।मालवीय ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश के इस दावे कि अभियोग पत्र विभिन्न ''मोदानी घोटालों'' की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की कांग्रेस की मांग को सही साबित करता है, के जबाव में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''कांग्रेस जॉर्ज सोरोस और उनके गुट के हाथों की कठपुतली बनने को तैयार है।''

प्रदुषण: दिल्ली में केंद्र सरकार के कर्मचारियों का भी समय बदला

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर स्थिति को देखते हुए बृहस्पतिवार को अपने कर्मचारियों के लिए काम के अलग-अलग समय की घोषणा की। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए कर्मचारियों से वाहनों में साथ आने-जाने (वाहन पूलिंग) और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने को भी कहा गया है। इससे पहले दिल्ली सरकार और एमसीडी भी अपने दफ्तरों की टाइमिंग बदल चुकी है। आदेश में कहा गया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संगठनों को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के संबंध में अलग-अलग समय अपनाने की सलाह दी जाती है। आदेश में कहा गया कि कार्यालय सुबह नौ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक और सुबह 10 बजे से शाम साढ़े बजे तक खुले रह सकते हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकियों ने

पैसेंजर वैन पर बरसाईं गोलियां, 32 की मौत

◆नईदिल्ली, सोने की कलम।

आतंकी हमले में 32 लोगों की जान चली गई और एक पुलिस अधिकारी सहित दर्जनों लोग घायल हो गए. पैसेंजर वैन जैसे ही लोअर कुर्रम के ओचुट काली और मंदुरी के पास से गुजरी, वहां पहले से घात लगाकर बैठे आतंकियों ने वैन पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं. पैसेंजर वैन पाराचिनार से पेशावर जा रही थी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले की घटना सामने आई है. बताया जा रहा है कि इस टेररिस्ट अटैक में 32 लोगों की मौत हो गई है. ये हमला खैबर पख्तूनख्वा के डाउन कुर्रम इलाके में एक पैसेंजर वैन पर हुआ है. हमले में एक पुलिस अधिकारी और महिलाओं समेत दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं.

AFP की रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में 32 लोगों की मौत हुई है. पैसेंजर वैन जैसे ही लोअर कुर्रम के ओचुट काली और मंदुरी के पास से गुजरी, वहां पहले से घात लगाकर बैठे आतंकियों ने वैन पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं. पैसेंजर वैन पाराचिनार से पेशावर जा रही थी। पाकिस्तान की समाचार एजेंसी डॉन के मुताबिक तहसील मुख्यालय अस्पताल अलीजई के अधिकारी डॉ. ग़यूर हुसैन ने हमले की पुष्टि की है.

वहीं, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस घटना की कड़ी निंदा की और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की.

अंतरिक्ष में फंसीं सुनीता विलियम्स

स्पेस सेंटर से टकराने जा रहा था सैटेलाइट का मलबा और फिर...

नईदिल्ली। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स इन दिनों इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हैं। वह आईएसएस में कई मिशनों को अंजाम देती हैं। उनकी मौजूदगी में स्पेस सेंटर ने खुद को सैटेलाइट के मलबे से टकराने से बचाने के लिए अपनी कक्षा को थोड़ा और ऊपर की ओर उठाया, जिससे उसका एक हिस्सा टकराने से बच गया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा कि प्रोग्रेस 89 थ्रस्टर्स को मंगलवार, 19 नवंबर को दोपहर 2:09 बजे सीएसटी पर पांच मिनट और 31 सेकंड के लिए फायर किया गया। इसने अंतरिक्ष स्टेशन की कक्षा को ऊपर उठाने में मदद की और 2015 में टूटे हुए एक निष्क्रिय रक्षा मौसम संबंधी सैटेलाइट से कक्षीय मलबे के एक टुकड़े से दूरी का एक एक्स्ट्रा मार्जिन मिला।

नासा के अनुसार, बैलिस्टिक अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि अगर यह नहीं किया गया होता तो मलबे का टुकड़ा स्पेस सेंटर के लगभग 2.5 मील के भीतर आ सकता था। इससे टकराव होने की संभावना होती। नासा ने रोस्कोस्मोस और अन्य अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भागीदारों के सहयोग से कक्षीय समायोजन किया।

जो व्यक्ति अपने विचारों को सकारात्मक रखता है, वह जीवन में कभी हार नहीं सकता।

संपादकीय

वायु प्रदूषण

एक गंभीर संकट की ओर बढ़ता हुआ कदम

इंदौर, मध्य प्रदेश, जहाँ एक ओर प्रगति और विकास की राह पर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर यहाँ का वायु प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। वर्ष दर वर्ष बढ़ते प्रदूषण स्तर, खासकर सर्दियों में, न केवल शहरवासियों की स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी खतरे की घंटी बन चुके हैं। वायु प्रदूषण का मुख्य कारण वाहन, उद्योगों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, और खुले में कचरा जलाने जैसी गतिविधियाँ हैं। इन कारणों से सड़कों और वातावरण में धुंध की परत जमा हो जाती है, जो न केवल दृश्यता को प्रभावित करती है, बल्कि श्वसन तंत्र पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर देखा जा रहा है। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, और अन्य श्वसन संबंधित समस्याएँ अब आम हो चुकी हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषित हवा में लंबे समय तक सांस लेने से हृदय और फेफड़ों की बीमारियाँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। शहर में प्रदूषण की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कुछ कदम उठाए हैं। विभिन्न क्षेत्रों में धूल नियंत्रण, वाहनों के लिए प्रदूषण नियंत्रण मानकों को कड़ा किया गया है, और कचरा जलाने पर रोक लगाई गई है। इसके साथ ही, हरियाली बढ़ाने के लिए पौधारोपण अभियान भी चलाए जा रहे हैं। हालाँकि, यह उपाय जब तक बड़े पैमाने पर लागू नहीं होंगे और नागरिकों की जागरूकता में वृद्धि नहीं होगी, तब तक प्रदूषण पर नियंत्रण पाना मुश्किल होगा। इंदौर के नागरिकों को प्रदूषण नियंत्रण में अपना योगदान देना चाहिए। अगर हम सभी प्रदूषण के स्रोतों को कम करने के लिए जागरूक होकर काम करें, तो यह समस्या बड़ी हद तक हल हो सकती है। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाना, रिवर्स बायो-डिग्रेडेबल पदार्थों का उपयोग करना, और अधिक से अधिक पौधे लगाना जैसे छोटे-छोटे कदम प्रदूषण को कम करने में मददगार हो सकते हैं।

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

सूदखोर की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने खाया जहर

आरोपी ने जबरन मकान नाम लिखाया

◆इंदौर, सोने की कलम।

अहिरखेड़ी में बुधवार रात एक महिला ने जहर खाकर खुदकुशी की कोशिश की। महिला को सूदखोर प्रताड़ित कर रहा था। 15 प्रतिशत ब्याज की मांग कर महिला और उसके बेटे को धमकाता था। बेटे के नाम से मोबाइल, एसी और वाटर प्यूरीफायर फायनेंस करवा लिए थे।

द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक सुनंदा देवकुमार पाटिल ने बताया कि 3 महीने पहले छावनी के निलेश सिलावट से 3 लाख रुपये उधार लिए थे। कर्जा देते समय तय

हुआ था कि 5 प्रतिशत ब्याज लेगा। एक महीने बाद ही निलेश ने 15 प्रतिशत ब्याज कर दिया।

महिला का मकान करवाया अपने नाम

उन्होंने आगे जानकारी दि कि हमने जैसे-तैसे एक लाख रुपये की व्यवस्था करवा दी। निलेश ने धमका कर मेरे बेटे विवेक के नाम से एसी, प्यूरीफायर और मोबाइल फायनेंस करवा लिया। पिछले महीने निलेश बदमाशों के साथ घर पहुंचा। उसने गुंडागर्दी करते हुए जबरदस्ती मकान की लिखापढ़ी अपने नाम से करवा ली।

प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने खाया जहर

सूदखोर निलेश की इस प्रताड़ना से तंग आकर सुनंदा ने जहरीला पदार्थ खा लिया। महिला को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अरबिंदो अस्पताल में लाखों का गबन

अय्याशी करने के लिए बड़ी-बड़ी होटलों में बुक करा रखे थे रूम

मां और पिता सहित दोस्तों के खाते में लाखों रुपए ट्रांजेक्शन करने के मिले सबूत

◆इंदौर, सोने की कलम।

अरबिंदो अस्पताल में लाखों का गबन करने वाले एचआर एक्जीक्यूटिव वैभव पोरे को जेल (से रिमांड पर लाने से पहले ही उसके बड़े-बड़े कारनामे सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि 22 हजार की सैलेरी पर नौकरी करने वाले वैभव के शहर की बड़ी-बड़ी होटलों में कमरे बुक रहते थे। यहां वह अय्याशी करने के लिए मुंबई और अन्य जगह से कॉलगर्ल को बुलाकर ठहराता था।

वैभव के बारे में उस दौरान खुलासा हुआ, जब अस्पताल में अस्थायी कर्मचारियों की सैलेरी

निकालने का आंकड़ा 200 पार हुआ। प्रबंधन को वैभव पर शक हुआ कि वह हर माह अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाता ही जा रहा है, जबकि अस्पताल में इतने लोग काम नहीं कर रहे हैं। फिर उसकी पोल खुली। ऑडिट हुआ तो पता चला कि उसने करीब 90 लाख का गबन किया। अस्पताल से जुड़े लोगों ने उसके बार में जानकारी निकाली तो पता चला कि उसकी मां भंडारी अस्पताल में आया की नौकरी करती है। घर में एक छोटी बहन है। उसने माता-पिता और दोस्तों के खाते में लाखों रुपए ट्रांसफर किए। यही नहीं, अरबिंदो अस्पताल में ही उसकी गर्लफ्रेंड भी पढ़ती है, जिस पर भी उसने खूब पैसा लुटाया। वैभव के एक पास महेंद्रा एक्सयूवी कार भी है। एक प्रापर्टी की भी जानकारी लगी है। इन सबके बारे में पुलिस को अवगत करा दिया गया है। वैभव फिलहाल अन्य मामले में जेल में बंद है।

अस्पताल का पूरा सिस्टम करना चाहता था हैक

वैभव के मोबाइल में चैटिंग के दौरान पता चला कि मुंबई की एक सॉफ्टवेयर कंपनी से वह एक सॉफ्टवेयर बनवाना चाहता था, जिसमें वह पूरे अस्पताल का सिस्टम हैक कर अपने हाथ में रखना चाहता था। सॉफ्टवेयर के लिए 27 लाख का खर्चा आने वाला था। वह सॉफ्टवेयर के लिए लाखों रुपए खर्च करने को तैयार था, लेकिन अपने मंसूबों में कामयाब हो उसके पहले ही उसके कारनामे खुल गए।

थाने में रिपोर्ट है... बचाना है ... तो एक लाख दो!

गिरोह का सरगना पकड़ाया, महिला सहित तीन फरार

◆इंदौर, सोने की कलम।

किशनगंज थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को इंदौर के थाने में रिपोर्ट दर्ज होने का डर दिखाकर एक लाख रुपए वसूलने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। गिरोह का सरगना पकड़ा गया है, जबकि एक महिला सहित तीन फरार हैं।

दो दिन पहले किशनगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले लतीफ बाबा जब दरगाह के पास बैठे थे, उस दौरान कार से आए एक महिला और तीन पुरुषों ने उनसे कहा कि तुम्हारे खिलाफ इंदौर के थाने में केस है। तुमको इंदौर चलना पड़ेगा। फिर उन्हें कार में बैठाकर ले गए और रास्ते में कहा कि बचना है तो एक लाख रुपए देना होंगे। इस पर उन्होंने कहा कि मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं, इधर-उधर से कर 50 हजार दे सकता हूं। इस पर उन्हें दो दिन का समय दिया था। लतीफ बाबा की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। डीआईजी ग्रामीण निमिष अग्रवाल ने बताया कि मामले में इंदौर के अनवर कादरी निवासी श्रीनगर को पकड़ा है, जबकि गिरोह से जुड़े दो पुरुष और एक महिला की तलाश है। पुलिस आरोपियों से पता लगा रही है कि इन लोगों ने इससे पहले भी किसी को डराकर वसूली तो नहीं की। हालांकि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी अभी बाकी है।

हट रही है मेघदूत चौपाटी!

दोबारा फिर लगेगी या नहीं इस पर बना है संशय

23 नवंबर से पहुंचने लगेंगे विदेशी मेहमान

यूरेशियन की बैठक 25 से 29 नवंबर तक होना है। इसमें 16 देशों के प्रतिनिधि मंडल शामिल हो रहे हैं। विदेश मेहमानों के इंदौर पहुंचने का सिलसिला 23 नवंबर से ही शुरू हो जाएगा। आयोजन ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में होगा जबकि मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था मेरिएट, सयाजी सहित अन्य होटलों में रहेगी।

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर में 25 नवंबर से शुरू होने वाली यूरेशियन ग्रुप की बैठक को देखते हुए नगर निगम ने मेघदूत चौपाटी खाली कराना शुरू कर दिया है। बुधवार को नगर निगम की रिमूवल टीम ने चौपाटी क्षेत्र में मुनादी की और दुकानदारों से अपील की कि वे स्वयं ही अपनी-अपनी गुमटियां हटा लें, वरना गुरुवार को नगर निगम कार्रवाई करते हुए गुमटियां उठा लेगा।

इसके बाद भयभीत दुकानदारों ने स्वेच्छा से गुमटियां हटानी शुरू कर दी हैं। बुधवार रात तक गुमटियां हटाने का सिलसिला जारी था। दुकानदारों का कहना है कि वे वर्षों से मेघदूत चौपाटी पर खाने-पीने की दुकानें लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं।

वर्षों से चल रही है चौपाटी

मेघदूत चौपाटी पर 400 से ज्यादा छोटी-बड़ी दुकानें लगती हैं। वर्षों से लग रही इस चौपाटी को हटाने की मांग इसके पहली भी कई बार उठ चुकी है, लेकिन हर बार कार्रवाई टल जाती है। इसके पहले प्रवासी भारतीय सम्मेलन और अन्य अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान भी इस चौपाटी को हटाने की बात हुई थी।

गुमटियां हटने के बाद उनके सामने रोजीरोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। दुकानदारों ने मांग की है कि उन्हें यूरेशियन की बैठक के बाद दोबारा दुकान लगाने की अनुमति दी जाए।

नगर निगम का प्रयास है कि मेघदूत चाट-चौपाटी की वजह से विदेशी मेहमानों के सामने शहर की छबि धूमिल न हो। इसलिए मेहमानों के इंदौर पहुंचने से पहले निगम इस चौपाटी को खाली कराना चाहता है।

पीएमश्री वायु सेवा धराशायी

हर 200 किलोमीटर पर बनेंगे एयरपोर्ट

देश में हवाई सेवाओं के विस्तार की योजना

◆इंदौर, सोने की कलम।

प्रदेश सरकार का दावा है कि नई एविएशन पॉलिसी के तहत हर 200 किलोमीटर पर एक एयरपोर्ट बनाया जाए, ताकि हवाई सेवाओं को विस्तार मिले। ये एयरपोर्ट लोक निर्माण विभाग द्वारा बनवाए जाएंगे। हालांकि प्रदेश के प्रमुख शहरों को आपस में जोड़ने के लिए कुछ समय पहले जो पीएमश्री वायु सेवा शुरू की गई थी वह लगभग धराशायी होने की स्थिति में पहुंच गई है, क्योंकि यात्रियों का जबरदस्त टोटा है। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर की उड़ानें तो बंद हो गई हैं। वहीं भोपाल, जबलपुर, रीवा, सिंगरौली, खजुराहो के लिए भी कम यात्री मिल रहे हैं।

इंदौर में भी एयरपोर्ट के निर्माण के प्रयास किए जा रहे हैं। अभी मुख्यमंत्री को खुद ही हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करना पड़ता है। अब हर 200 किलोमीटर पर एयरपोर्ट की योजना बनाई जा रही है और मौजूदा हवाई पट्टियों का भी विस्तार किया जाएगा। प्रदेश की मोहन सरकार नई एविएशन पॉलिसी पर काम कर रही है, जिसमें हर विकासखण्ड स्तर पर एक हेलीपेड भी निर्मित होगा और 200 किलोमीटर पर छोटे-बड़े एयरपोर्ट बनाए जाएंगे। वर्तमान में 31 जिलों में हवाई पट्टियां हैं और कुछ सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की भी हैं। जैसे उदाहरण के लिए डायमंड सीमेंट की दमोह में, ओरियंट पेपर मिल की शहडोल में, ग्रेसिम की नागदा में हवाई पट्टी है, इनका भी विस्तार किया जाएगा। वहीं इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, छतरपुर, जबलपुर, रीवा में हवाई अड्डे बन चुके हैं। दूसरी तरफ जोर-शोर से पीएमश्री हवाई सेवा भी शुरू की गई , जिसमें प्रदेश के प्रमुख शहरों इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, खजुराहो, रीवा, सिंगरौली के बीच ये सेवाएं शुरू की गई।

5 रुपये मिलेंगे बुजुर्ग आयुष्मान कार्ड बनाने पर

आशा कार्यकर्ताओं की निराशा मिटाने के लिए कलेक्टर ने लिया फैसला

◆इंदौर, सोने की कलम।

70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों के लिए बनी आयुष्मान योजना का लक्ष्य पूरा नहीं होने पर आशा कार्यकर्ताओं की निराशा मिटाने के लिए उन्हें प्रति आयुष्मान कार्ड पर पांच रुपए के भुगतान का निर्णय लिया है। घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ शिविर के आयोजन भी झोन स्तर पर किए जाएंगे।

70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों को आयुष्मान भारत योजना का पात्र बनाने के लिए प्रशासन एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है, लेकिन उसके बावजूद 2 लाख 90 हजार के लक्ष्य से पिछड़ने के कारण इंदौर जिला नीचे के पायदान पर नजर आ रहा है। अब तक सिर्फ 18 हजार के ही आयुष्मान कार्ड बनाए जा सके हैं। दस्तावेजों के साथ-साथ बुजुर्गों के घर से न निकलने के कारण कई तरह की परेशानियां आयुष्मान कार्ड बनाने में सामने आ रही हैं, जिसे देखते हुए कलेक्टर ने घोषणा की है कि आशा कार्यकर्ताओं को प्रति आयुष्मान कार्ड बनाने पर पांच रुपए का भुगतान किया जाएगा। रेसीडेंसी कोठी में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि लक्ष्य बनाकर प्रतिदिन कार्ड बनाने का कार्य सम्पन्न कराया जा रहा है, वहीं 22 झोन पर कैम्प लगाकर मुहिम स्तर पर काम किया जा रहा है। लम्बे समय से सीएससी संचालकों द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने के नाम पर मनमाने शुल्क वसूली के प्रकरण भी सामने आ रहे हैं, जिस पर सख्ती करते हुए लाइसेंस निरस्ती व एफआईआर कराने के निर्देश जारी किए गए हैं।

'इंदौर में हटेगा बीआरटीएस'

सीएम डॉ. मोहन यादव ने की घोषणा

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर शहर में एबी रोड पर बने बीआरटीएस को हटाया जाएगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने शहर में मीडिया से चर्चा करते हुए यह बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जनता को इससे परेशानी हो रही है और जनप्रतिनिधियों की मांग पर यह निर्णय लिया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि अदालत में भी सरकार की ओर से हम इस संबंध में अपना पक्ष रखेंगे। भाजपा प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है। गौरतलब है कि इंदौर में बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) को लेकर एमपी हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में जनहित याचिकाएं लगी हैं।

11.5 किमी का है बीआरटीएस

इंदौर में राजीव गांधी प्रतिमा से लेकर निरंजनपुर तक करीब 11.5 किमी लंबा बीआरटीएस बना हुआ है। जिसमें केवल बसों का संचालन किया जाता है। इसके साथ ही यहां एंबुलेंस को निकलने की अनुमति है।

बीआरटीएस से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी

सामाजिक कार्यकर्ता किशोर कोडवानी ने इंदौर के बीआरटीएस को लेकर दो जनहित याचिकाएं हाईकोर्ट में लगाई थीं।

इंदौर बीआरटीएस पर पहली याचिका 2013 में लगी थी, वहीं दूसरी 2015 में लगाई गई थी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने इस मामले में बीआरटीएस की उपयोगिता और अन्य बिंदुओं पर जांच के लिए समिति गठित करने के निर्देश दिए थे। बीआरटीएस को लेकर बनी इस समिति को आठ सप्ताह के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करना थी।

इन याचिकाओं को एमपी हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने जबपुर हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया था।

बीआरटीएस पर होता है बसों का संचालन

बीआरटीएस पर हर दिन यात्री बसों का संचालन किया जाता है। इन बसों में रोजाना 50 हजार से ज्यादा यात्री सफर करते हैं। लेकिन बीआरटीएस की वजह से अन्य वाहनों को जगह कम मिलती है और इस पूरे रूट पर कई जगह जाम की स्थिति बन जाती है।

डामरीकरण की गुणवत्ता के लिए निगम ने शुरू करवाई सडक़ों की जांच

इंदौर। शहरभर में गड्ढेदार और उखड़ी सडक़ों की मरम्मत करवाई जा रही है और डामरीकरण के साथ-साथ व्हाइट टॉपिंग का प्रयोग भी पहली बार किया जा रहा है। आयुक्त शिवम वर्मा ने चल रहे पेंचवर्क और डामरीकरण के कार्य की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए, जिसके चलते कल से यह जांच सडक़ों पर शुरू की गई। पाटनीपुरा से एलआईजी, रसोमा, रेसकोर्स रोड सहित अन्य सडक़ों पर चल रहे डामरीकरण की अब लगातार जांच होगी। कल की गई जांच में कहीं कोई गड़बड़ी ना मिलने की जानकारी भी निगम ने दी है।

इस बार बारिश का सिलसिला देर तक चलता रहा और नवरात्रि से लेकर दशहरे के बाद तक बारिश हुई, जिसके चलते नगर निगम पेंचवर्क का काम जल्दी शुरू नहीं करवा पाया। नतीजतन शहर की अधिकांश सडक़ें गड्ढामय और क्षतिग्रस्त हो गई। अभी भी प्रमुख सडक़ों के अलावा गली-मोहल्ले, कॉलोनियों की सडक़ों के हाल तो खराब ही हैं। निगम के जनकार्य प्रभारी राजेन्द्र राठौर का कहना है कि इस बार डामरीकरण और पेंचवर्क के कार्य में भी ठेकेदारों से गारंटी ली गई है और वर्षभर उन्हें रख-रखाव भी करना पड़ेगा। साथ ही पहली बार सीमेंट कांक्रीट की सडक़ों पर भी व्हाइट टॉपिंग कराई जा रही है, जिसका प्रयोग पहली बार किया जा रहा है। दूसरी तरफ मास्टर प्लान की सडक़ों का निर्माण भी निगम करवा रहा है। हालांकि दो बार टेंडर निरस्त करना पड़े और अभी तीसरी बार भी फिर से टेंडर आमंत्रित किए गए हैं।

इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन के लिए 77 गांवों की जमीन का होगा अधिग्रहण

◆इंदौर, सोने की कलम।

बहुप्रतीक्षित इंदौर-मनमाड़ नई रेल लाइन परियोजना में अब जमीनी स्तर पर काम शुरू हो गया है। इस परियोजना में मप्र के तीन जिलों के 77 गांवों से होकर रेल लाइन गुजरेगी।

हाल ही में रेल मंत्रालय ने इन गांवों की जमीन का अधिग्रहण करने के लिए गजट नोटिफकेशन भी कर दिया है। अब जिले के राजस्व अफसर जमीन का आकलन करने में जुट गए हैं ताकि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द पूरी हो और रेल लाइन बिछाने का काम शुरू हो सके। बता दें कि इस नई रेल लाइन के शुरू हो जाने से धार, खरगोन और बड़वानी जिले के आदिवासी अंचलों से पहली बार रेल गुजरेगी। परियोजना से लगभग एक हजार गांव और 30 लाख आबादी का रेल सेवाओं से सीधा संपर्क जुड़ेगा।

नई रेल लाइन खरगोन, धार और बड़वानी जिले से होकर गुजरेगी। बड़वानी जिले के 39, धार जिले के 28 और खरगोन जिले के 10 गांवों में रेल लाइन बिछाई जाएगी। अब जिला स्तर पर राजस्व विभाग इन गांव की जमीन का आकलन करेगा।

इसके बाद पश्चिम रेलवे भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करेगा। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन संघर्ष

समिति के मनोज मराठे ने बताया इस प्रोजेक्ट के लिए पिछले कई वर्षों से संघर्ष किया जा रहा है। आगामी पांच वर्ष में यह प्रोजेक्ट तैयार होने का लक्ष्य रखा गया है।

जमीनों का होगा उपयोग

धार जिला = राती तलाई, सेवरी माल, सराय तालाब, आंवलिया, चुंडीपुरा बीके, बियाघाटी, आंवलीपुरा, जामदा, झाड़ीबड़ोदा, जलवाय, नागझीरी, लुन्हेराखुर्द, सुंद्रेल, पटलावद, भीखरोन, पंधानिया, ग्यासपुर खेड़ी, एकलारा खुर्द, एकलारा, दुधी, भोंदल, चिकटयावड़, सिरसोदिया, दुंगी, कोठिदा, चौकी, भारूडपुरा बीके और भारूड़पुरा।

बड़वानी जिला = सोलवान, मालवान, मालवान बीके, भामन्या, बावदड़, अजनगांव, अजनगांव बीके, नवलपुरा, बनिहार, गोई, कलालदा, जामली, सालीकलां, नांदेड़, मातमुर, बालसमुद, ओजर, सांगवी नीम, देवला, जुलवानिया रोड, निहाली, छोटी खरगोन, वासवी, कुसमारी, मुंडला, रेलवा बुजुर्ग, बंजारी, खजूरी, बघाड़ी, घाटी, अजंदी, हसनखेड़ी, सिकंदर खेड़ी, सेगवाल, उमरदा, शेरपुरा, जरवाह और जरवाह बीके।

खरगोन जिला = जारोली, औरंगपुरा, नागंवा, कोठड़ा, ज्ञानपुरा, मोहिदा, मक्सी, भेडल्याबाड़ा, नीमगढ़ और कुसुम्भ्या।

यहां से गुजरेगी रेल लाइन

नई रेल लाइन महू से धार होते हुए धरमपुरी, ठीकरी, राजपुर, सेंधवा, सिरपुर, शिखंडी, धुले, मालेगांव होकर मनमाड़ पहुंचेगी। पूरी परियोजना में 30 नए रेलवे स्टेशन भी बनाए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, वीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड़, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)